>

Title: Need to set up an international airport at Jhansi, Uttar Pradesh.

श्री विजय बहादुर सिंह : उपाध्यक्ष जी, मैं केवल एक ही विषय झांसी वाले पर अपनी बात कहूंगा। अंग्रेजों ने चाहे जो भी किया हो, लेकिन उनकी प्रशासनिक क्षमता अभी भी समझ में आती है। उन्होंने उत्तर भारत के झांसी को फौज का केन्द्र बनाया और रेलवे का भी केन्द्र बनाया। झांसी मिडल में है, अभी भी आर्मर कोर की सबसे बड़ी ट्रेनिंग ग्राउंड, तोप दागने की ग्राउंड झांसी में ही है। रेलवे लाइन भी उस जमाने से अभी तक उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने में झांसी केन्द्र बिंदु है। हमारा कहना यह है कि अभी सबसे बड़ी समस्या यह चल रही है कि दिल्ली और उसके आसपास कोई सेटेलाइट एयरपोर्ट नहीं है। सर्वेक्षण में झांसी का भी नाम आया था। यहां पर पर्याप्त मात्रा में जमीन है, जंगल है, मैदान है, वहां से 15-20 मिनट में प्लेन से यहां पहुंचा जा सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय: आप किस विषय पर बोल रहे हैं?

श्री विजय बहादुर सिंह : मैं एयरपोर्ट वाले विषय पर बोल रहा हूं। मैं संसद में हूं, विधान सभा में नहीं कि रेल की बात करूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: विजय बहादुर सिंह जी के अलावा किसी की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

श्री विजय बहादुर सिंह : मैं फार्मूला रेल पर आ रहा हूं। झांसी में हवाई अड्डा खोलने की कार्यवाही शुरू की जाए। इससे दो फायदे होंगे। अगर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कोई खतरा होता है तो आपके पास विकल्प रहेगा। सेटेलाइट एयरपोर्ट आजकल काफी जरूरत है, इस तरह की बात भी हो रही है। ऐसा न हो कि जब पानी बरसने लगे, तब आप छाता खरीदें। पानी बरसने वाला है, चाहे चीन से हो या उधर से हो।

उपाध्यक्ष महोदय: आपको कैसे पता चल गया?

श्री विजय बहादुर सिंह : जब बादल आते हैं तो पानी बरसेगा, यह पता चल ही जाता है। अभी शरद यादव जी ने भी बताया था। मैं कोई तुंज-पुंज वाली बात नहीं कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि झांसी से बढ़िया जगह कोई दूसरी नहीं है, क्योंकि वहां पठारी, ऊसर जमीन है, खेती नहीं हो सकती। अगर वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बना देते हैं तो पूरे बुंदेलखंड का विकास होगा और वहां से पांच जिले उत्तर प्रदेश के और पांच-दस जिले बुंदेलखंड के, जो मध्य प्रदेश में भी पड़ता है, खजुराहो तक, वे लाभान्वित होंगे। एक बहुत बड़ा दिल्ली की सुरक्षा का कवच होगा। जिस तरह से झांसी लक्ष्मीबाई ने 1857 में लड़ाई लड़ी थी, उसका सही ट्रिब्यूट यह होगा कि यहां पर एक हवाई-अड्डा बनाया जाए।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): रानी लक्ष्मीबाई हवाई-अड्डा बनाया जाए।

श्री विजय बहादुर सिंह : नाम तो मैं अभी निर्धारित कर दूं लेकिन अभी नाम दे दें तो यह यूपीए की सरकार शायद तैयार नहीं होगी, नाम दूसरा हो जाएगा। नाम जो चाहें आप करा लें। इसलिए मैं इस नाम के बारे में ज्यादा समय न लेकर यह कहना चाहता हूं कि झांसी में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारम्भ किया जाए।